शहरी साझेदारी - शहरी और ग्रामीण भारत के संबंध की एक रचना

साझेदारी गूंज के नजरिए का एक बेहद खास हिस्सा है। ज्यादातर लोग गूंज की जमीनी स्तर की ग्रामीण भागीदारी के विशाल नेटवर्क के बारे में जानते हैं, परन्तु इस अंक में हमने पूरे भारत में अपनी समान रूप से मजबूत शहरी भागीदारी और हमारे काम में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला है। गूंज की साझेदारी पिछले दो दशकों में पूरे भारत में बिछाए गए फाइबर ऑप्टिक केबल के नेटवर्क की तरह है। ये कनेक्शन पूरे साल कई तरह से आपदा प्रतिक्रिया, विकास और मानसिकता और व्यवहार को बदलने के लिए काम करते हैं। यह आपसी विश्वास, एक दूसरे का सम्मान और साझेदारी मूल्यों पर आधारित है। यह कार्य प्रगति के रास्ते पर है.. एकदम सही से बहुत दूर, लेकिन दुनिया के लिए संसाधनों, नए विचारों और नए - नए दृष्टिकोणों को खोलने की अद्भुत क्षमता रखता है। यदि आप गूंज के साथ साझेदारी करना चाहते हैं, तो हमें mail@goonj.org पर लिखें..
इन सबके बीच सुरक्षित और स्वस्थ रहें।
शुभकामनाएं, टीम गूंज

मुख्य बातें :
28 राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश
15.60+ मिलियन किलो राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएं
354,000+ किलो ताजा फल एवं सब्जियां
1.50+ मिलियन फेस मास्क
1.80+ मिलियन कपड़े से बने सैनिटरी पैड
चिकित्सा संबंधी: पीपीई किट, ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर और मेडिसिन किट्स

देने, विकास, और लोगों के बारे में मानसिकता बदलना

वित्तीय वर्ष 2020-21 में
300 से
अधिक शहरी साझेदारी

कैसे :

विभिन्न सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से हम जनता को प्रोत्साहित करते हैं कि वे देने (गिविंग) को लेकर अपने सोचने के तरीके के बारे
में सोचें। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए और अलग-अलग शहरों में जमीनी स्तर के जागरूकता शिविरों के माध्यम से लोगों को संवेदनशील बनाना। शहरों मेंे चल रहे गूंज के अलग-अलग संग्रह अभियान जैसे कि **ओढ़ा दो जिंदगी**, **मेगा कलेक्शन ड्राइव**, भारत के उत्सव कहे जाने
वाले **"दान उत्सव"** में भाग लेना, जहां भारत भर के हजारों लोग इसमें अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं. जिसमें शहरी लोग परिवर्तन लाने के लिए सामने आते है ।

कौन :

हम समाज के हर हिस्से के साथ भागीदारी
में हैं; एफएमसीजी (FMCG), कॉरपोरेट्स, बड़े पैमाने पर खुदरा काम करने
वाले, आरडब्ल्यूए (RWA), क्लब, स्कूल आदि संस्थानों के बुनियादी ढांचे को उपयोग करके हम रिवर्स सप्लाई चेन, रीसाइक्लिंग और सर्कुलर आर्थिक मॉडल के माध्यम से कचरे की लहर को मोड़ते है।

क्या :

परिवर्तन में समान हितधारकों के रूप में शहरी जनता के साथ जुड़ते हुए हम सामूहिक रूप से 'दुनिया को बदलने से पहले सुधार' पर जोर देना चाहते हैं;
'दान के बजाय गरिमा', अन्य महत्वपूर्ण पहलू जैसे 'गरिमा के साथ
देने' और विकास के एजेंडे में कपड़े का महत्व एक केंद्र बन जाता है।

प्रभाव:

नदियों, तालाबों, सड़कों, भवनों, पुलों आदि पर काम करके ग्रामीण भारत की संपत्ति और प्राकृतिक पूंजी की मरम्मत, उसका पुनर्निर्माण
और पुनरुद्धार करके परिवर्तन लाना। पिछले 2 दशकों में गूंज की भाषा, देने के

तरीके और विकास के किए गए कार्य आज महत्वपूर्ण सबूत के तौर पर देखे जाते हैं.

2015 में रमन मैग्सेसे अवार्ड फाउंडेशन ने अंशु गुप्ता,(संस्थापक गूंज)को प्रतिष्ठित रम न मैग्से
पुरस्कार प्रदान करते हुए उन्हें भारत में दान की संस्कृति को बदलने में उनकी रचनात्मक दृष्टि के लिए, कपड़े को गरीबों के लिए एक सतत विकास संसाधन के रूप में उजागर *करने में उनके उद्यमी नेतृत्व,*
और दुनिया को यह याद दिलाने में कि सच्चा दान हमेशा सम्मान देता है और मानवीय ग रिमा की रक्षा करता है' के लिए सम्मानित किया

<u>अधिशेष सामग्री को अनलॉक करने के लिए साझेदारी</u>

क्या:
समाज से प्रयुक्त सामग्री को पुनः प्राप्त करने के लिए रिवर्स सप्लाई चेन बनाना और सामा जिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए उसका दोबारा इस्तेमाल करना।

कौन:
सिविल सोसाइटी संगठनों के साथ क्रॉस सेक्टोरल साझेदारी और खुदरा
व एफएमसीजी (FMCG) ब्रांडों की बढ़ती संख्या के साथ|

कैसे:
कलेक्शन कैम्प्स , को -ब्रांडेड अभियान और इन हाउस अभियान के माध्यम से।
भारत भर मे बड़े पैमाने पर को-ब्रांडेड अभियानों के साथ सर्कुलर गिविंग में
उन्हें शामिल करना जो अधिशेष सामग्री जुटाते हैं।
कुछ सफल संबंधों में रेमंड्स, फ्लिपकार्ट, बिग बाजार, व्हर्लपूल इत्यादि के साथ किए गए अभियान शामिल हैं

प्रभाव
ग्रामीण मुद्दों के बारे में गहरी समझ और सहानुभूति पैदा करने के अलावा, गूंज ने भारत के अनछुए संसाधनों और नेटवर्क का एक नया मॉडल बनाया है।

2020-21 में
700 टन से
अधिक सामग्री का पुनर्नवीनीकरण (अपसाइकल) किया गया

<u>कुछ को-ब्रांडेड अभियान</u>

फॉरएवर 21
इट्स द होप
यू गिव
ड्राप ऑफ योर री यूसबल विंटर वियर हियर

रेमंड
ब्रिंग स्माइल्स एंड रीनवेद पर्प
स विथ अ सिंपल एक्ट
डोनेट योर क्लॉथ टू लुक गुड ,
टू गुड .

मार्क्स एंड स्पेंसर
<u>सिल्वर लाइनिंग अभियान</u>

क्या:
इकोनॉमिक टाइम्स के साथ साझेदारी में एक अभियान, जिसमें अप्रयुक्त, फैशन से बाहर हो चुकी चीजें, डेड स्टॉक सामग्री और फ्लेक्स को पुन: उपयोग करने और
उसको पुनः प्रयोजन में लाने के लिए कहा गया |

क्यों:
अक्सर सामान कचरे के ढेर में पड़ा-
पड़ा ख़राब हो जाता है, जिससे पर्यावरण को भी खतरा होता है। ग्रामीण भारत भर में जरूर तमंद लोगों के लिए उन्हें आसानी से पुनर्निर्मित करके उन तक पहुंचाया जा सकता है।

कैसे:

एक उदाहरण के रूप में, इस्तेमाल किए गए सीट कवर को स्कूल बैग के रूप में फिर से तैयार किया जा सकता है, इस्तेमाल हुए फ्लेक्स को रिसाव का सामना करने वाले घरों की छतों पर एक परत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है; डेड स्टॉक वाले कपड़े को महिलाओं के लिए, कपड़े के सैनिटरी पैड के रूप में दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। **कोई भी वस्तु** और **हर एक वस्तु** का दूसरा जीवन हो सकता है।

आपदा राहत और पुनर्वास के लिए भागीदारी

क्या:
समय संवेदनशील तरीके से बड़े पैमाने पर तत्काल आवश्यक आपदा राहत प्रदान करना।

कौन:
बड़ी संख्या में राष्ट्रीय जमीनी स्तर के संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठन।

120 से अधिक शहरी कार्यान्वयन साझेदार

कैसे:
विभिन्न संस्थाओं जैसे निगमों, सामाजिक संगठनों, एफएमसीजी (FMCGs), और आम इंसान को पूरे वर्ष के दौरान आपदाओं की बढ़ती घटनाओं, लोगों की जरूरतों, विनाश के पैमाने और अक्सर अनदेखी आपदाओं जैसे कि सर्दी, आग आदि के बारे में और संवेदनशील बनाना। आपदाओं के दौरान पैन इंडिया में फैले हमारे नेटवर्क के माध्यम से संसाधनों को जुटाया जाता है। उसके बाद देश में उपस्थित हमारे जमीनी स्तर के साझेदार कदम उठाते हैं और प्रतिक्रिया समय को कम करते हुए आपदा प्रभावित समुदायों के लिए हमारी सामग्री को पहुंचाते हैं जैसे - उत्तर भारत में सूखा प्रभावित या उत्तर पूर्व में आने वाली सालाना बाढ़।

ग्रामीण भारत में सतत विकास कार्य और गरिमा के लिए भागीदारी

क्या :

विकास कार्यों के लिए शहरों से
लेकर गांवों तक पूरे वर्ष सामग्री और धन के निरंतर वितरण के लिए एक समय परीक्षण चैनल।

कौन:
विभिन्न कॉर्पोरेट फाउंडेशन, एचएनआईस(HNI's) और
ऐसे संस्थान जो गूंज के मॉडल और प्रभाव पर भरोसा करते हैं एवं महत्व देते हैं।

कैसे:
हमारे सफलतापूर्वक स्थापित देश भर के शहरी भागीदारी मंच और जमीनी स्तर के साझा सामूहिक नेटवर्क के माध्यम से, शहरों और गांवों के बीच देने
की एक सतत पाइपलाइन को पोषित किया जाता है, जिससे भारत में कहीं भी शहरी परिवारों या संगठनों के लिए अपनी अधिशेष सामग्री या मौद्रिक संसाधनों को साझा करने के लिए पहुंच पैदा होती है।
गूंज मॉडल के माध्यम से- एक ही चैनल को विभिन्न आपदाओं के दौरान क्षमताओं का विस्तार करने, विशिष्ट क्षेत्रों
और समुदायों में आवश्यक आवश्यकता आधारित राहत सामग्री को चैनलाइज करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

प्रभाव:
साल 2020-21 में गूंज ने भारी मात्रा में सामग्री को चैनलाइज किया।

आपदा के समय जैसे केरल में आई बाढ़ के दौरान इसी चैनल का इस्तेमाल कर 3 से 6 महीने की छोटी अवधि में राहत सामग्री की क्षमता का दोगुना उत्पादन और प्रबंधन करने के लिए किया गया था।

9,400+ टन सामग्री 2020-21 के बीच चैनलाइज की गई।

कार्य क्षेत्र से जानकारी (राहत कोविड, चक्रवात यास, ताउते , अम्फान,निसर्ग , निवार, असम और बिहार बाढ़)

प्रकार	20 अप्रैल - 21 मार्च	21 अप्रैल - 21 सितम्बर	कुल
प्राथमिक सहयोग ● राशन और अन्य आवश्यक सामग्री वितरण ● परिवारों तक पहुंच ● तैयार भोजन उपलब्ध कराया गया	9.4+ मिलियन किलो 450,000+ 360,000+	6.2+ मिलियन किलो 170,000+ 120,000+	15.60+ मिलियन किलो 620,000+ 480,000+
स्वच्छता पहल ● फेस मास्क ● माय पैड (कपड़े से बने सेनेटरी पेड)	875,000+ 1,300,000+	630,000+ 500,000+	1.50+ मिलियन 1.80+ मिलियन
साझेदारी में ● हम जिन संगठनों के साथ काम कर रहे हैं, ● हम जिन राज्यों में काम कर रहे हैं	500+ 27	580+ 28	
सब्जियां/फल सीधे किसानों से खरीदी गईं	225,000+ किग्रा	129,000+ किग्रा	354,000+ किग्रा
डिग्निटी फाॅर वर्क (DFW)परियोजनाएं ● किचन गार्डन बनाये गए	10,500+ 1,500+	1,400+ 60+	11,900+ 1,560+

• जल संसाधन परियोजनाएं - तालाब - नहर - निजी स्थान/बाथरूम बने/मरम्मत किए गए	450+ 870+ 1,130+	80+ 100+ 110+	530+ 970+ 1,240+
चिकित्सा हस्तक्षेप (अप्रैल 2021 से आगे) • नॉट अलोन सेंटर (केयर गिविंग सेंटर) • फैमिली मेडिसिन किट • हेल्थ केयर गिवर कॉम्प्रिहेंसिव किट • PPE किट ऑक्सीजन सिलेंडर / सांद्रक		20+ 90,000+ 14,500+ 32,500+	

हमारा साथ दे

- सामग्री सहयोग के लिए- https://bit.ly/2yR000h
- धन के साथ सहयोग के लिए - goonj.org/donate
- गूँज के लिए फंड रेजिंग कैंपेन शुरू करने के लिए हमें jibin@goonj.org पर मेल करें।
- पिछली डिग्निटी डायरी पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करें: http://bit.ly/2K1JH3e

संपर्क करे:

मुख्यालय : J-93, सरिता विहार, नई दिल्ली - 76

011-26972351/41401216

www.goonj.org

mail@goonj.org